खबरों में रहे स्टॉक

अरविंद फैशन्स

वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही के दौरान 47 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया

₹ 436.4 पिछला बंद भाव
₹ 479.4 आज का बंद भाव
9.9 % ▲

केपीआईटी टेक्नॉलजीज

चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ पिछले साल के मुकाबले 33 प्रतिशत लुढ़का

₹ 772.0 पिछला बंद भाव
₹ 748.5 आज का बंद भाव
-3.1 % ▼

गरवारे हाई-टेक फिल्म्स

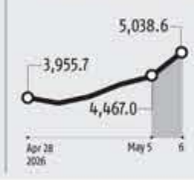

चौथी तिमाही के दौरान शुद्ध लाभ में सालाना आधार पर 39 प्रतिशत उछाल दर्ज

₹ 4,467.0 पिछला बंद भाव
₹ 5,038.6 आज का बंद भाव
12.8 % ▲

साउथ इंडिया बैंक

वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ पिछले साल के मुकाबले 19 प्रतिशत बढ़ा

₹ 41.0 पिछला बंद भाव
₹ 42.5 आज का बंद भाव
3.8 % ▲

केपीआई ग्रीन एनर्जी

चौथी तिमाही के दौरान शुद्ध लाभ में सालाना आधार पर 47 प्रतिशत की तेजी दर्ज

₹ 455.9 पिछला बंद भाव
₹ 482.0 आज का बंद भाव
5.7 % ▲

संक्षेप में

जेएएल : अदालत पहुंची अदाणी एंटरप्राइजेज

जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड (जेएएल) की दिवालियापन प्रक्रिया में राष्ट्रीय कंपनी विधि अपील पंचाट (एनसीएलएटी) से अपने पक्ष में फैसला मिलने के कुछ दिनों बाद अदाणी एंटरप्राइजेज ने यह सुनिश्चित करने के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है कि वेदांत की किसी भी संभावित अपील पर उसका पक्ष सुने बिना कोई आदेश पारित न किया जाए। यह कदम तब उठाया गया जब अपील पंचाट ने कर्ज में डूबी जेएएल के लिए अदाणी की समाधान योजना को दी गई मंजूरी के खिलाफ वेदांत की चुनौती को खारिज कर दिया है। *बीएस*

फोनपे ने पेश किया एआई टूल

70 करोड़ से ज्यादा पंजीकृत उपयोगकर्ताओं वाले पेमेंट प्लेटफॉर्म फोनपे ने बुधवार को एआई आधारित इंटीग्रेशन लेयर पेश करने की घोषणा की। इसका मकसद व्यापारियों के लिए पेमेंट गेटवे (पीजी) ऑनबोर्डिंग में लगने वाले समय को कम करना है। एआई कोडिंग असिस्टेंट के लिए बनाया गया और फोनपे की अपनी 'इंटीग्रेशन इंटेलिजेंस' लेयर से समर्थित इस सिस्टम का लक्ष्य इंटीग्रेशन में लगने वाले समय को हफ्तों से घटाकर मिनटों में लाना है। *बीएस*

भू-राजनीतिक जोखिमों के बीच कंपनी कर रही तैयारी

बहु-स्तरीय आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत कर रही एमऐंडएम

सोहिनी दास
मुंबई, 6 मई

महिंद्रा ऐंड महिंद्रा (एमऐंडएम) समूह लगातार रहने वाली भू-राजनीतिक अस्थिरता के दौर में अपनी आपूर्ति श्रृंखला की रणनीति को और बेहतर कर रहा है। समूह के मुख्य कार्यकारी और प्रबंध निदेशक अनीश शाह ने 1,00,600 करोड़ रुपये की खरीद, 1,00,000 पुर्जों और 40 कमोडिटी में जोखिम-विश्लेषण कवायद का विवरण दिया है। इसमें कंपनी ने भू-राजनीतिक, कच्चे माल, एकल-आपूर्तिकर्ता, लॉजिस्टिक और नियामकीय पहलुओं में 82 पुर्जा-समूहों और 9 कमोडिटी को अधिक जोखिम के रूप में रखा है।

कंपनी के चौथी तिमाही के परिणामों के बाद विश्लेषकों के साथ बातचीत के दौरान शाह ने कहा कि यह कवायद हाल की बाधाओं से सीखे गए सबक दर्शाती है और चक्रीय समाधानों पर निर्भर रहने के बजाय वाहन कारोबार में संरचनात्मक मजबूती के व्यापक प्रयास को बताती है।

शाह ने बताया कि एमऐंडएम ने परिचालन, सोर्सिंग और डिजाइन तक विस्तृत बहु-स्तरीय सुधार वाली रणनीति अपनाई है। उन्होंने कहा, 'हमने जो कुछ भी खरीदा है, हमारी टीमों ने उसे देखा है और उसे कई जोखिमों पर परखा है और उसके लिए कई कदम उठाए हैं। कई मामलों में स्टॉक बढ़ाना, वैकल्पिक आपूर्तिकर्ताओं का स्थानीयकरण, डिजाइन में कमी लाना, इंटेलिजेंस डेस्क बनाना शामिल रहा ताकि हम किसी भी घटना पर तेजी से काम कर सकें।' उन्होंने कहा कि ये उपाय पहले ही सेमीकंडक्टर से लेकर दुर्लभ खनिज और मेमरी चिप तक की बाधाओं से निपटने में कंपनी की मदद कर चुके हैं।

कंपनी के निवेशक प्रस्तुतीकरण में आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती को वाहन और कृषि कारोबरों का प्रमुख स्तंभ बताया गया है और जोखिम से निपटने के लिए सुनियोजित उपायों के बारे में बताया गया है। इनमें नियोजित स्टॉक बफर, आपूर्तिकर्ताओं का स्थानीयकरण, बहु-आपूर्तिकर्ताओं से आपूर्ति, अधिक जोखिम वाली सामग्रियों का इस्तेमाल सुव्यवस्थित करना तथा निगरानी और प्रतिरक्षा उपायों की सहायता के लिए हरदम सक्रिय 'इंटेलिजेंस डेस्क' शामिल हैं। इसमें 'जोखिम मुक्त आपूर्ति श्रृंखला' और 'कमोडिटी प्रतिरक्षा कार्यक्रम' को प्रमुख व्यावसायिक कार्यों के रूप में स्पष्ट रूप से सूची में रखा गया है, जो यह दर्शाता है कि ये उपाय अस्थायी प्रतिक्रियाओं के बजाय परिचालन रणनीति में शामिल हैं।

साल 2020 से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला एक के बाद एक आने वाले बार-बार के भू-राजनीतिक झटकों से बाधित हुई है। इससे विनिर्माताओं को आपूर्ति और जोखिम के बारे में फिर से सोचने पर मजबूर होना पड़ा है। वैश्विक महामारी कोविड-19 के कारण बड़े स्तर पर कारखाने बंद हुए, लॉजिस्टिक में रुकावटें आईं और सेमीकंडक्टर की लंबे समय तक कमी रही, जिसका विशेष रूप से वाहन क्षेत्र पर बुरा असर पड़ा।

प. एशिया संकट के बावजूद दोपहिया उद्योग भरेगा फर्राटा

दीपक पटेल
नई दिल्ली, 6 मई

> **उद्योग को वित्त वर्ष 27 में बिक्री में ऊंचे 1 अंक की वृद्धि और मोटरसाइकलों के साथ-साथ स्कूटरों में भी इजाफे की उम्मीद है**
>
> **हर्षवर्धन चितले,** मुख्य कार्याधिकारी, हीरो मोटोकॉर्प

हीरो मोटोकॉर्प के मुख्य कार्य अधिकारी (सीईओ) हर्षवर्धन चितले ने बुधवार को कहा कि खाड़ी जंग के बावजूद भारत का दोपहिया उद्योग वित्त वर्ष 2027 में बिक्री में ऊंचे एक-अंक की वृद्धि दर्ज कर सकता है। उसकी यह वृद्धि पूरे देश में मोटरसाइकलों और स्कूटरों की मांग के कारण होगी, भले ही पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण कमोडिटी की कीमतें बढ़ रही हों।

वित्त वर्ष 2026 में भारत में लगभग 2.171 करोड़ दोपहिया वाहन बेचे गए और इस तरह इसमें 10.7 प्रतिशत की सालाना वृद्धि हुई। इसका कारण वृद्धि सितंबर 2025 में जीएसटी दरों में की गई कटौती थी। चितले ने कहा, 'उद्योग को वित्त वर्ष 2027 में बिक्री में ऊंचे एक अंक की वृद्धि और मोटरसाइकलों के साथ-साथ स्कूटरों में भी इजाफे की उम्मीद है।' उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र ने साल की शुरुआत सकारात्मक कदम के साथ की है और वित्त वर्ष 2026 की दूसरी छमाही की रफ्तार जारी रखी है। नतीजों के बाद बाजार विश्लेषकों से बातचीत करते हुए चितले ने कहा कि अप्रैल और मई की शुरुआत में मांग में अभी तक कोई नरमी नहीं आई है, क्योंकि उत्पादन लागत में हुई बढ़ोतरी का पूरा बोझ अभी तक ग्राहकों पर नहीं डाला गया है।

उन्होंने कहा कि पिछले साल की दूसरे छमाही की मजबूती ने 2026 में बढ़ोतरी की रफ्तार को सहारा दिया, जबकि ई-कॉमर्स के विस्तार और गिग इकॉनमी की मांग जैसे बुनियादी कारक बिक्री बढ़ाने में मदद मिली। हीरो ने वित्त वर्ष 2026 में डेस्टिनी स्कूटर की निर्माण क्षमता 50 प्रतिशत बढ़ा दी है और अपने जूम स्कूटर के लिए इसे एक तिमाही के अंदर दोगुना करने का लक्ष्य रखा है।

उन्होंने कहा, 'आगे चलकर स्कूटर के क्षेत्र में हमारी स्थिति और मजबूत होगी। ईवी हमारी प्राथमिकता वाला दूसरा क्षेत्र बना हुआ है, क्योंकि कंपनी मॉडल विकास में लगातार निवेश कर रही है।' चितले ने अल्पावधि दबाव के बावजूद कंपनी के मजबूत मार्जिन दृष्टिकोण को दोहराते हुए कहा, 'हम 14 से 16 प्रतिशत के बीच मार्जिन बनाए रखने के अपने अनुमान को लेकर प्रतिबद्ध हैं।'

ईवी की खुदरा बिक्री ने पकड़ी रफ्तार

अंजलि सिंह
मुंबई, 6 मई

अप्रैल 2026 में देश के इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की खुदरा बिक्री में सालाना जोरदार वृद्धि का सिलसिला जारी रहा। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा) के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। आंकड़ों से पता चलता है कि ईवी के इस्तेमाल में बड़े स्तर पर विस्तार हुआ है। इसे बेहतर मॉडल पोर्टफोलियो और उपभोक्ताओं की बढ़ती स्वीकृति का समर्थन मिला है। लेकिन मासिक प्रदर्शन में मार्च की जोरदार बिक्री के बाद सीजनल नरमी देखने को मिली। इलेक्ट्रिक यात्री वाहनों की बिक्री ने इस तेजी की अगुआई की, जिसमें सालाना आधार पर 75.1 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई और यह बढ़कर 23,506 वाहनों तक पहुंच गई। इसके बाद मार्च के मुकाबले इसमें 4.5 प्रतिशत की मामूली बढ़त देखने को मिली। इस श्रेणी पर टाटा मोटर्स पैसेंजर्स व्हीकल्स का दबदबा बरकरार रहा, जिसने 8,543 वाहनों की खुदरा बिक्री की। महिंद्रा ऐंड महिंद्रा ने 5,413 वाहनों की बिक्री की। उन्हें अपने बढ़ते इलेक्ट्रिक पोर्टफोलियो की जोरदार मांग से लगातार फायदा मिलता रहा।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया और बीवाईडी इंडिया सहित अन्य कार विनिर्माताओं ने भी इस श्रेणी की वृद्धि में योगदान दिया। यह बढ़ती प्रतिस्पर्धा और उपभोक्ताओं के लिए उपलब्ध विकल्पों की व्यापकता को दर्शाता है।

दोपहिया वाहन श्रेणी में इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में सालाना आधार पर 60.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई। लेकिन मार्च के अधिक आधार के प्रभाव के कारण मासिक आधार पर इसमें 22 प्रतिशत की गिरावट आई और यह घटकर 1.49 लाख वाहनों तक पहुंच गई। तिमाही आधार पर इस गिरावट के बावजूद यह श्रेणी कुल ईवी बिक्री में सबसे बड़ी योगदानकर्ता बनी रही। इसकी अगुआई टीवीएस मोटर कंपनी ने 37,683 वाहन बिक्री के साथ की। इसके बाद बजाज ऑटो (32,898 वाहन) और एथर एनर्जी (27,034 वाहन) का स्थान रहा।

मीशो के घाटे में 88 प्रतिशत गिरावट

ई-कॉमर्स कंपनी मीशो ने अपने तिमाही घाटे को कम किया है। मार्च तिमाही में कंपनी ने 166.3 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा दर्ज किया है, जो पिछले साल की इसी तिमाही के मुकाबले 88 प्रतिशत कम है। पिछले साल मार्च तिमाही में कंपनी को 1,391.4 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था, जबकि दिसंबर तिमाही में यह घाटा 490.7 करोड़ रुपये रहा।

बेंगलूरु की इस कंपनी का पूरे साल का घाटा पिछले वित्त वर्ष में 66 प्रतिशत कम होकर 1,357.7 करोड़ रुपये रह गया, जो एक साल पहले 3,941.7 करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में परिचालन राजस्व सालाना आधार पर 47.14 प्रतिशत बढ़कर 3,531.21 करोड़ रुपये हो गया। एक तिमाही पहले कंपनी ने 3,517.6 करोड़ का राजस्व कमाया था। मीशो के संस्थापक और मुख्य कार्याधिकारी विदित आत्रे ने कहा कि वित्त वर्ष 2026 ने कंपनी के इस विश्वास को और अधिक मजबूत किया है कि भारतीय ई-कॉमर्स बाजार की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है। *बीएस*

श्री सीमेंट का शुद्ध 4.3 प्रतिशत घटा

श्री सीमेंट लिमिटेड का एकीकृत मुनाफा वित्त वर्ष 2025-26 की मार्च तिमाही में 4.31 प्रतिशत घटकर 531.99 करोड़ रुपये रहा। बांगुर परिवार प्रवर्तित श्री सीमेंट ने बुधवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि इससे पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की इसी तिमाही में उसे ₹555.98 करोड़ रुपये का लाभ हुआ था। *भाषा*

भारत के जीसीसी का राजस्व 100 अरब डॉलर के करीब पहुंचने का अनुमान

अभीक दास
मुंबई, 6 मई

देश के ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) का राजस्व पिछले वित्त वर्ष के आखिर तक करीब 98.4 अरब डॉलर रहने का अनुमान है, जो दो साल पहले लगभग 65 अरब डॉलर था। नैसकॉम और परामर्श कंपनी जिनोव की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। यह बात देश के प्रौद्योगिकी उद्योग में इस क्षेत्र की बढ़ती अहमियत को बताती है।

जीसीसी की संख्या भी 2,000 को पार कर चुकी है। मार्च के अंत तक इनके 2,117 होने का अनुमान है। एक साल पहले यह संख्या लगभग 1,760 थी। 583 ऐसे केंद्र हैं जो प्रति वर्ष 10 करोड़ डॉलर से लेकर 1 अरब डॉलर के बीच राजस्व उत्पन्न करते हैं। 423 केंद्रों का राजस्व 10 करोड़ डॉलर से कम है।

रिपोर्ट के अनुसार इसके चार मुख्य कारण हैं - देश में जीसीसी अब वितरण केंद्र से हटकर लगातार मूल्य-संचालित केंद्रों की ओर बढ़ रहे हैं, आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) उत्कृष्टता केंद्रों की बढ़ती संख्या, डोमेन विशेषज्ञता वाले अधिक कुशल कार्यबल और विश्वविद्यालयों के साथ कौशल-विकास और जुड़ाव।

नैसकॉम के अध्यक्ष राजेश नांबियार ने कहा, 'भारत का जीसीसी पारिस्थितिकी तंत्र बुनियादी बदलाव से गुजर रहा है। बड़े स्तर से मूल्य की दिशा में बढ़ने का काम अब अच्छी तरह से चल रहा है, जिसमें एआई उत्प्रेरक की भूमिका निभा रही है। जीसीसी तेजी से वैश्विक उत्पादों, प्लेटफार्मों और व्यावसायिक परिणामों का स्वामित्व ले रहे हैं, जिससे भारत दुनिया भर के उद्यमों के लिए रणनीतिक तौर पर खास केंद्र के रूप में स्थापित हो रहा है। विकास का अगला चरण इस बात से निर्धारित होगा कि ये केंद्र कितने प्रभावी ढंग से पूरे उद्यम में परिवर्तन ला सकते हैं और बड़े स्तर पर प्रभाव पैदा कर सकते हैं।'

रिपोर्ट के अनुसार भारत के तकरीबन 75 प्रतिशत जीसीसी में अगले पांच वर्षों में पोर्टफोलियो या परिवर्तनकारी हब बनने की क्षमता है। इसे साकार करने के लिए चार प्रमुख क्षेत्रों में कार्रवाई की आवश्यकता होगी - अधिक जटिलता वाले ऐसे कार्यों की दिशा में पोर्टफोलियो को स्थानांतरित करना, जिन्हें एआई आसानी से दोहरा नहीं सकता, एआई के साथ प्रभावी ढंग से काम करने वाले कार्यबल का निर्माण, परिचालन पैमाने के बजाय व्यावसायिक परिणामों के जरिये प्रदर्शन की पैमाइश और साझेदारों का प्रबंधन करने के बजाय उनके साथ सह-निर्माण की दिशा में बढ़ना।

ANAND RATHI

आनंद राठी ग्लोबल फाइनेंस लिमिटेड
एक्सप्रेस जोन, ए विंग, 8वां तल, वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे, गोरेगांव (पू.), मुंबई– 400 063, भारत
दूरभाष : +91 9813887931, **वेबसाइट :** www.rathi.com

ई-नीलामी विक्रय सूचना

एतद्द्वारा सर्वसाधारण को तथा विशेष रूप में निम्न वर्णित उधारकर्ता/ सह–उधारकर्ता/ओं / गारंटरों को सूचित किया जाता है कि अन्य बातों के साथ–साथ आनंद राठी ग्लोबल फाइनेंस लिमिटेड **("एआरजीएफएल")** (प्रतिभूत ऋणदाता) के पास प्रतिभूत निम्न विवरणित अनुसूचीगत अचल संपत्ति जिसका **ऋण खाता सं APPL00026688** है, उसका रचनात्मक अभिग्रहण एआरजीएफएल के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा कर लिया गया है, का विक्रय निम्न वर्णितानुसार उधारकर्ता / सह–उधारकर्ता/ओं / गारंटरों की ओर से, अनुसूची में विशिष्ट रूप में अंकित कुल राशि तथा राशि पर संविदागत ब्याज तथा वसूलीकरण की तिथि तक अन्य लागत एवं शुल्कों की वसूली के लिये "जैसी है जहां है" एवं "जैसी है जो है" तथा "यहां जो कुछ भी है" आधार पर अनुसूची में विशिष्ट रूप में अंकित तिथि पर वेबसाइट https://sarfaesi.auctiontiger.net के माध्यम से एक ऑनलाइन ई–नीलामी द्वारा किया जायेगा :

उधारकर्ता का नाम : (1) जेएसडी इंजीनियरिंग प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड (उधारकर्ता), भूखंड सं. 64, शिव मंदिर लेन, डाबुआ पाली, औद्योगिक क्षेत्र, इंडेन गैस गोदाम के समीप, फरीदाबाद, हरियाणा–121001

सह–उधारकर्ता / ओं के नाम : (2) दिवंगत श्री अजय पांडे (सह–उधारकर्ता) के समस्त कानूनी उत्तराधिकारी, मकान सं. डी 1101, बी पी टी पी पार्क, ग्रैंड्यूरा, सेक्टर–82, ग्रेटर फरीदाबाद, बल्लभगढ़, फरीदाबाद, हरियाणा : 121004, (3) रंचना पांडे (सह–उधारकर्ता), मकान सं. डी 1101, बी पी टी पी पार्क, ग्रैंड्यूरा, सेक्टर–82, ग्रेटर फरीदाबाद, बल्लभगढ़, फरीदाबाद, हरियाणा : 121004

संपत्ति पता : सं. डी–1101 धारक यूनिट का बंधक, अधि क्षेत्र मापन 2032 वर्ग फुट, 11वें तल, टॉवर–डी, पार्क ग्रैंड्यूरा, सेक्टर–82, ग्राम भटोला, फरीदाबाद, हरियाणा–121004 में स्थित।

बकाया राशि (भविष्य के ब्याज और लागत के साथ मांग सूचना के अनुसार)	**रु. 1,10,63,896/–** (रुपये एक करोड़ दस लाख तिरेसठ हजार आठ सौ छियानवे मात्र)
नीलामी की तिथि	12 जून 2026
आरक्षित मूल्य	**रु. 1,35,64,000/–** (रुपये एक करोड़ पैंतिस लाख चौंसठ हजार मात्र)
धरोहर राशि जमा	आरक्षित मूल्य का 10%
अधिग्रहण स्थिति	सांकेतिक अधिग्रहण
न्यूनतम बोली वृद्धि राशि	रु. 10,000/–
इच्छुक क्रेताओं के लिये संपत्ति के निरीक्षण की तिथि एवं समय	4 जून 2026 मध्या. 11 से अप. 4 बजे तक
केवाईसी प्रलेखों/ईएमडी प्रमाण इत्यादि के साथ निविदा प्रपत्र प्रस्तुत करने की तिथि एवं समय	8 जून 2026 को अप. 4.00 बजे तक केवाईसी प्रलेखों के साथ
ऑनलाइन प्रस्ताव खोलने की तिथि एवं समय	12 जून 2026 को मध्या. 11.00 से अप. 1.00 बजे के मध्य

नोट : इच्छुक बोलीदाता / क्रेता नीलामी प्रक्रियाओं के संबंध में विस्तृत निबंधनों एवं शर्तों के लिये आनंद राठी ग्रुप वेबसाइट www.rathi.com देख सकते हैं।

यह प्रकाशन उपरोक्त उधारकर्ता / सह–उधारकर्ता/ओं / गारंटर के लिये प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 9(1) एवं 8(5) के अंतर्गत निर्धारित 30 दिवसीय सूचना भी है।

दिनांक : 6 मई 2026
स्थान : दिल्ली

आनंद राठी ग्लोबल फाइनेंस लिमिटेड
प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता

कब्जा सूचना
(अचल संपत्ति हेतु)

जब कि,

सम्मान कैपिटल लिमिटेड (CIN:L65922DL2005PLC136029) (पहले **इंडियाबुल्स हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड** के रूप में जाना जाता था) प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते अधोहस्ताक्षरी ने सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फायनांशियल असेट्स एंड एन्फोर्समेंट ऑफ सिक्योरिटी इंटरेस्ट ऐक्ट, 2002 के अंतर्गत और नियम 3 के साथ धारा 13(12) के साथ सिक्योरिटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेंट) रूल्स, 2002 के साथ पढ़ते हुए प्राप्त अधिकारों का उपयोग करके कर्जदार **गोलू कुमार और सोनिया सेठी** को **17.09.2025** की सूचना में वर्णन के अनुसार **कर्ज खाता नं. HHLRHN00560754 और HHERHN00561002** की राशि **रू. 33,10,696.26 (रूपये तैंतीस लाख दस हज़ार छह सौ छियानवे और छब्बीस पैसे मात्र)**(ऋण सुविधा नं. 1 के विरुद्ध) और **रू. 1,30,330.62 (रुपये एक लाख तीस हज़ार तीन सौ तीस और बासठ पैसे मात्र)** (ऋण सुविधा नं. 2 के विरुद्ध) जिनकी कुल बकाया राशि **रू. 34,41,026.88 (रुपये चौंतीस लाख इकतालीस हज़ार छब्बीस और अठासी पैसे मात्र)** (ऋण सुविधा न. 1 और 2 के विरुद्ध) और **16.09.2025** के अनुसार उस पर ब्याज उक्त सूचना की प्राप्ती की तारीख से स्पष्ट 60 दिनों के भीतर चुकता करने का आवाहन करते हुए अभियाचना सूचना जारी की थी।

धनराशि चुकता करने में कर्जदारों के असफल रहने पर एतद्द्वारा कर्जदार और सर्व सामान्य जनता को सूचना दी जाती है कि, अधोहस्ताक्षरी ने उक्त कानून की धारा 13 की उप-धारा 4 के साथ उक्त कानून के नियम 8 के तहत सिक्योरिटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेंट) रूल्स, 2002 के तहत प्राप्त अधिकारों का कार्यान्वयन करके **04.05.2026** को संपत्ति पर आधिपत्य कर लिया है।

विशेषत: कर्जदारों और सामान्यत: जनता को एतद्द्वारा संपत्ति के साथ सौदा नहीं करने के लिए सावधान किया जाता है और संपत्ति के साथ कोई भी सौदा राशि **रू. 33,10,696.26 (रूपये तैंतीस लाख दस हज़ार छह सौ छियानवे और छब्बीस पैसे मात्र)**(ऋण सुविधा नं. 1 के विरुद्ध) और **रू. 1,30,330.62 (रुपये एक लाख तीस हज़ार तीन सौ तीस और बासठ पैसे मात्र)** (ऋण सुविधा नं. 2 के विरुद्ध) जिनकी कुल बकाया राशि **रू. 34,41,026.88 (रुपये चौंतीस लाख इकतालीस हज़ार छब्बीस और अठासी पैसे मात्र)** (ऋण सुविधा न. 1 और 2 के विरुद्ध) **16.09.2025** के अनुसार और उस पर ब्याज के साथ **सम्मान कैपिटल लिमिटेड** (पहले **इंडियाबुल्स हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के रूप में जाना जाता** था) के आधीन होगा।

उधारकर्ताओ का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के अन्तर्गत संपत्ति / संपत्तियों को मुक्त कराने के लिए उपलब्ध समय की ओर आमंत्रित किया जाता है।

अचल संपत्ति का विवरण

नीचे दी गई ज़मीन / संपत्ति के सभी भाग और खंड साथ ही सभी वर्तमान और /या भविष्य के सभी स्ट्रक्चर, बिल्डिंग, फ़र्नीचर, फ़िक्सचर, फ़िटिंग, स्टैंडिंग और/या भविष्य के अधिकार, शिर्षक और/या इसमें गोलू कुमार के हित के साथ :

निर्मित दुसरी मंजिल , कवर्ड क्षेत्र 66.89 स्क्वे. मीटर्स के साथ, छत के अधिकार बिना, बेअरींग प्लॉट नं. 123 और 124 की संपत्ति पर, क्षेत्र माप 80 स्क्वे. यार्डस (अर्थात 66.89 स्क्वे. मीटर्स.), सामान्य प्रवेश द्वार, पैसेज, सीढ़ीयाँ और एक खुली कार पार्किंग के साथ, भूतल पर, पानी की टंकी और टीवी/डिश एंटीना लगाने/रखरखाव करने के अधिकार के साथ, मॉमटी की छत पर /लिफ्ट रूम , खसरा नं. 58/23 की बिल्डींग में से छत, हस्तसाल गाँव की रेवेन्यू एस्टेट में स्थित, दिल्ली कॉलोनी जिसे मोहन गार्डन से पहचाना जाता है, ब्लॉक एल-2, उत्तम नगर, नई दिल्ली - 110059. उक्त संपत्ति के तहत ज़मीन के आनुपातिक अधिकार के साथ।

सही/-

दिनांक : 04.05.2026
स्थान : दिल्ली

प्राधिकृत अधिकारी
सम्मान कैपिटल लिमिटेड
(पहले इंडियाबुल्स हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के रूप में जाना जाता था)

वसूली अधिकारी–II का कार्यालय
ऋण वसूली न्यायाधिकरण–II, दिल्ली
चौथा तल, जीवन तारा भवन, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली–110001

आरसी/48/2006

कुर्की के लिए कारण बताओ सूचना

के मामले में

केनरा बैंक (ई–सिंडिकेट बैं क) बनाम **मैसर्स कंवर एक्सपोर्ट्स**

ऋण वसूली और दिवाला अधिनियम, 1993 की धाराओं 25 से 28 और आयकर अधिनियम, 1961 की द्वितीय अनुसूची के नियम 2 के तहत सूचना

प्रति,
सीडी#1 मैसर्स कंवर एक्सपोर्ट्स, अपने मालिक के माध्यम से, श्री गुरप्रीत सिंह, सं. 9/2, जी–3, ईस्ट पटेल नगर, प्रथम तल, रूम सं. 106, नई दिल्ली– 110008
सीडी#2 श्री गुरप्रीत सिंह पुत्र श्री जसवंत सिंह, ई–56, मानसरोवर गार्डन, नई दिल्ली
सीडी#3 श्री जे पी सिंह पुत्र श्री हरबंस सिंह, एफ–156, दूसरा तल, मानसरोवर गार्डन, नई दिल्ली
सीडी#4 स्व श्री दर्शन सिंह बाजवा प्रतिनिधित्व द्वारा:
(अ) श्री कमलजीत सिंह, पुत्र स्व दर्शन सिंह बाजवा, आवासीय मकान शाहपुर ग्राम झीनगर कलां पोस्ट जिला होशियारपुर, पंजाब
(ब) श्री हरजीत सिंह, पुत्र स्व दर्शन सिंह बाजवा, आवासीय मकान शाहपुर ग्राम झीनगर कलां पोस्ट जिला होशियारपुर, पंजाब
(स) श्री गुरजीत सिंह, पुत्र स्व दर्शन सिंह बाजवा, आवासीय मकान शाहपुर ग्राम झीनगर कलां पोस्ट जिला होशियारपुर, पंजाब
सीडी#5 श्री जतिंदर सिंह जोहल पुत्र श्री मोहिंदर सिंह जोहल, सं. 114, फोकल पॉइंट, राजपुर, (पंजाब)

उपरोक्त वर्णित मामला आज दिल्ली स्थित वसूली अधिकारी–II, डीआरटी–II के सामने सुनवाई के लिए सूचीबद्ध था।

अपको यहां पर निदेशित किया जाता है कि आप **13.05.2026 को पूर्वाह्न 11:30 बजे** व्यक्तिगत रूप में / कानूनी प्रतिनिधी के माध्यम से नीचे अधोहस्ताक्षरी के समक्ष उपस्थित हों।

आपको यह भी निर्देश दिया जाता है कि आप अगले सुनवाई की दिनांक से पहले यह बताने हेतु हलफनामा दाखिल करें कि

अचल संपत्ति यानी संपत्ति धारक सं. **खेवत सं. 152/140, खतौनी सं. 174, खसरा सं. 5//6/2/11(0के–2 एम) और खसरा सं. 5//15/22(0के–7एम) यानी 1/4 हिस्सा 9 मरला, खेवत सं. 321/315 मीन, खतौनी सं. 367, खसरा सं. 167 (0के–3एम) और खसरा सं. 5//5/11(0के–7एम) यानी 1/4 हिस्सा 3 मरला, खेवत सं. 323/316, खतौनी सं. 369, खसरा सं. 16//5/1/2 (0के–3एम), खसरा सं. 16//5/3 (5के–10एम), खसरा सं. 16//6/1 (6के–16एम), खसरा सं. 16//6/2/1 (0के–4एम) और खसरा सं. 16//15/1/2(3के–8एम) यानी 4/32 1 हिस्सा 16 कनाल 1 मरला, खेवत सं. 324/318, खतौनी सं. 370, खसरा सं. 17//1/2 (6के–9एम), खसरा सं. 17//10 (7के–19एम) और खसरा सं. 17//11/1 (2के–19) यानी 6/347 हिस्सा 17 कनाल 7 मरला और खेवत सं. 325/319, खतौनी सं. 371, खसरा सं. 54/1(0के–3एम) यानी 1/2 हिस्सा 3 मरला, जमाबंदी के अनुसार वर्ष 2011–2012 के लिए ग्राम शाहपुर (हदबस्त सं.89), तहसील डासूहा (टांडा), जिला– होशियारपुर–पंजाब सीडी#4 (स्व. दर्शन सिंह पुत्र स्व. लाभ सिंह) से संबंधित,** सीडी/सीडी से संबंधित होने के कारण इसे संलग्न नहीं किया जाएगा और वर्तमान आरसी में देनदारियों की वसूली के लिए बेचा नहीं जाएगा।

आपको अस्थायीरूप से इस संपत्ति में किसी भी तृतीय पक्ष के हित को स्थापित करने से रोका गया है।

ध्यान दें कि आपकी अनुपस्थिति में, कानून के अनुसार उचित कार्रवाई की जाएगी।

मेरे हाथ और न्यायाधिकरण की मुहर के तहत इस दिनांक **15.04.2026** को दिया गया।

हस्ता/–
(वात्सल्य कुमार)
वसूली अधिकारी–II, डीआरटी–II, दिल्ली

ओमकारा एसेट्स रिकंस्ट्रक्शन प्रा. लि.
OMKARA
कॉर्पोरेट कार्यालय: कोहिनूर स्क्वायर, 47वीं मंजिल, एन.सी. केलकर मार्ग, आर.जी. गढकरी चौक, दादर पश्चिम, मुंबई – 400028. फोन : 022–69231111/9833546349

[परिशिष्ट – IV-A] [नियम 9(1) के साथ पठित 8(6) का परंतुक देखें]

अचल संपत्ति की ई–नीलामी बिक्री के लिए सार्वजनिक सूचना

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के प्रावधान के साथ पठित वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत अचल आस्तियों की बिक्री के लिए ई–नीलामी बिक्री नोटिस

इसके द्वारा आम जनता को और विशेष रूप से राजकुमार शर्मा – उधारकर्ता और ललिता – सह–उधारकर्ता, योगेन्द्र कुमार – (गारंटर) को यह सूचना दी जाती है कि नीचे वर्णित अचल संपत्ति सुरक्षित ऋणदाता को गिरवी/प्रभारित की गई है, जिसका कब्जा सम्मान कैपिटल लिमिटेड (पूर्व में इंडियाबुल्स हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड) (अब ओमकारा एसेट्स रिकंस्ट्र